

आध्वी सीता

“सीता तो अब भी अवमानित, माना कहाँ बराबर।
पुरुष प्रधान समाज जहाँ पर, नारी रीती गागर॥”

डा० हरिमोहन गुप्त

साध्वी सीता

साध्वी सीता



डा० हरिमोहन गुप्त

प्रथम संस्करण 500 प्रतियाँ

सर्वाधिकार लेखकाधीन सुरक्षित

प्रकाशक एवं वर्ष 2014

मुद्रक : वाणी प्रिन्टर्स, 80 घोसी गली, देहरादून

मूल्य : 400 रुपये मात्र

Email : harimohan3612@gmail.com
harimohangupta.blogspot.com

प्रकाशक : हिन्दी साहित्य सम्वर्द्धन संस्थान, 470 गांधी नगर, कोच (जालौन) उ.प्र.



डॉ. हरिमोहन गुप्त

राम कृपा है जो लिख पाया,
 'सीता' जैसी बड़ी भूमिका,
 उसने ही तो रंग भरे हैं,
 मैंने पकड़ी सिर्फ तूलिका।
 नीरस काम रहा जीवन भर,
 कलम मात्र मैंने पकड़ी थी,
 पवनपुत्र यदि साथ न देते,
 सभी पंक्तियाँ फिर लगदी थी।
 अब भी मुझको डर लगता है-
 मुझको पाठक क्या समझेंगे?
 साधारण कृति इसे जानकर
 क्या वे मुझसे नहीं जुड़ेंगे
 नाथ कृपा कर साहस देदे
 पुस्तक को मैं करता अर्पण,
 साहित्य जगत इसको अपना ले,
 करूँ प्रार्थना यही अकिंचन।

साहित्यिक कृतियाँ (प्रकाशित)

1. साध्वी सीता (महाकाव्य)
2. शूद्र पुत्र एकलव्य (खण्ड काव्य)
3. आचार्य सुदामा (नवीन चिन्तन) (खण्ड काव्य)
4. कुणाल (एक अप्रतिम त्याग) (खण्ड काव्य)
5. दस्यु अंगुलिमाल (खण्ड काव्य)
6. सन्त शिरोमणि 'रविदास' (खण्ड काव्य)

अप्रकाशित

1. अपराजित राधेय कर्ण (महा काव्य)
2. अष्टावक्र (खण्ड काव्य)
3. कथा काव्य (पद्य में कहानियाँ)
4. गोपी गीत 'श्रीमद्भागवत से उद्धृत श्लोकों का पद्यानुवाद'
5. स्फुट गीत, गजल, मुक्तक
6. अंधविश्वास (एकांकी नाटक)
7. एड्स साधारण बीमारी नहीं (एकांकी नाटक)